ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-12-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-18	2024-12-19	2024-12-20	2024-12-21	2024-12-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	25.0	25.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	4.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	3	2	3	2
पवन दिशा (डिग्री)	140	360	140	360	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	1	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (10 से 16 दिसंबर) में 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 21.0 से 23.5 डिग्री सेल्सियस और 3.3 से 6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिन मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 93 से 97% और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 30 से 43% के बीच रही। हवा की गति 1.1 से 4.4 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और दक्षिण-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा का कोई अनुमान नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.0-26.0 डिग्री सेल्सियस और 4.0-5.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 2-3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेंगी। आगे के दिनों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कम्पोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। बागों की गहरी जुताई माइग कीट, फल मक्खी, गुजिया घुन और वेबर कीट को नष्ट करने के लिए आवश्यक है। दलहनी फसलों की नियमित निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। ज़मीन पर पाला पड़ने की स्थिति में सिंचाई करनी चाहिए। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली बड़ी कम वर्षा, सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान और सामान्य न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को इंगित करती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और पूर्वानुमानित स्थितियों के अनुसार कृषि कार्यों की योजना बनाई जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उचित अंतराल पर गुड़ाई और निराई का कार्य किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उचित अंतराल पर गुड़ाई और निराई का कार्य किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
रेपसीड	फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। सितम्बर में बोई गई फसल में जब 75% फलियाँ सुनहरे रंग की हो जाएँ तब फसल की कटाई करें। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सरसों	फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। सितम्बर में बोई गई फसल में जब 75% फलियाँ सुनहरे रंग की हो जाएँ तब फसल की कटाई करें। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गेहूँ	3-4 दिनों के बाद समय पर बोई गई फसल में टॉप ड्रेसिंग दोपहर के दौरान की जानी चाहिए। नियमित रूप से गुड़ाई और निराई 25-30 दिन और 45-50 दिनों के अंतराल पर की जानी चाहिए। गेहूं की देर से बुआई 25 दिसंबर तक पूरी कर लेनी चाहिए। देर से बोया गया गेहूं तापमान में अचानक गिरावट से प्रभावित होता है, इसलिए इसके बाद बीज की दर में 25% की वृद्धि की जानी चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
जौ	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा 25-30 दिनों के बाद निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
गन्ना	शरद ऋतु के गन्ने की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। गुड़ाई और निराई का कार्य भी किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार प्रयोग करना चाहिए। रोग को नियंत्रित करने के लिए गर्म पानी से बीजोपचार करना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
सब्जी पीईए	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
टमाटर	टमाटर/ मिर्च की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चित्तकबरा होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
मिर्च	टमाटर/ मिर्च की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चित्तकबरा होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
आम	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने को 40 सेमी ऊंचाई तक बारीक मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। पेड़ के तने को 400 गेज मोटी पॉलिथीन की 25 सेमी चौड़ी पट्टी से लपेटकर मजबूत रस्सी (सुतली) की मदद से बांध देना चाहिए। इसके साथ ही घुन को चढ़ने से बचाने के लिए निचले हिस्से में ग्रीस अवश्य लगाना चाहिए। खेती का कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निमोनिया होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि पशु को ठंड से बचाया जाना चाहिए और गर्म भोजन दिया जाना चाहिए।
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।